



सावन के पहले दिन ही शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़, भोलेनाथ के जयकारे से गुंजायमान हुआ रांची का पहाड़ी मंदिर



राष्ट्रीय खबर

रांची: सावन की शुरुआत होते ही मंदिरों में भीड़ उमड़ने लगी। लोग सुवह से ही शिव मंदिर में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर जल अर्पित करते दिखे। मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ को देखते हुए हर सुविधा का ख्याल रखा गया है। साथ ही कई इंतजाम भी किए गए हैं वहीं रांची के पहाड़ी मंदिर की बात करें तो पहाड़ी मंदिर में भी भक्तों की सुविधा को देखते हुए मैटिकल टीम के अलावा जगह-जगह बैरिकेटिंग लगाए गए हैं। रांची के पहाड़ी मंदिर में साफ-सफाई से लेकर सभी इंतजाम किए गए हैं। मंदिर प्रवंधन के लोगों ने बताया कि इस वर्ष भी अर्धा सिस्टम के माध्यम से जल चढ़ाने की व्यवस्था को गई है इस वर्ष सावन में 8 सोमवार मनाए जाएंगे। इसीलिए भक्तों की भीड़ भी इस वर्ष ज्यादा होने की संभावना जताई जा रही है। मलमारी की वजह से इस वर्ष 59 दिनों का सावन मनाया जा रहा है। प्रतिवर्ष भक्तों को चार सोमवारी करने का मौका मिलता था लेकिन लंबे समय के बाद इस वर्ष 2 महीने तक सावन मनाया जाएगा, जिस वजह से भक्त 8 सोमवारी कर पाएंगे। अंडितों के अनुसार इस वर्ष का सावन बेहद खास है, लंबे समय के बाद सावन में मलमार पड़ रहा है। शहर के विविध चौक चौराजों पर विवरियों की टोली भी नजर आने लगी है। वहीं रांची के पहाड़ी मंदिर से भी कई ऐसे कावरियों की टोली देखने को मिल रही है जो बाबा मंदिर जाने से पहले पहाड़ी बाबा का दर्शन करते हैं। वहीं मंदिर में पहुंचे भक्तों ने भी हर हर महादेव के नारे से भगवान भोलेनाथ के मंदिर में प्रवेश किया और शिवलिंग पर जल चढ़ा कर परिवार एवं समाज के सुख समृद्धि की कामना की।



जलसंकट ➤ जलसंकट तो इस साल दूर होगा पर अगले साल

यह काम सरकार को करना होगा: डॉ राजेश गुप्ता छोटू



► दूसरे डैम से पानी लाने का काम हो

► खुले और सार्वजनिक स्थलों पर सरकार करे

► अब कई झलाकों में पांच सौ फॉट नीचे गया पानी

राष्ट्रीय खबर

रांची: रांची पूर्व पार्वद और सक्रिय सार्वजनिक कार्यकर्ता डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने इस बारे में कहा कि रांची में अब कई स्थानों पर जलस्तर पांच सौ फॉट से नीचे चला गया है। इसके अलावा अधिकांश पुराने घर जिस तरीक से बने हुए हैं, उनमें रेन वाटर हार्डिंग की काम किया जाना चाहिए। इससे झलाकों को बारिश के और नाहीं बन रहे हैं जबल भंडार की आधिक हैसियत है। जमीन का बंटवारा होते होते बहुत झलाक इलाका इलाका सीमित हो गया है कि वहां अब भूमिगत जल को रिचार्ज करने के लिए जमीन भी नहीं बची है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में ही उन्होंने नगर निगम के माध्यम से राज्य सरकार को अपनी तरफ से वहाल करने का सुझाव

दिया था। इसके तहत हर झलाकों में खुला मैदान अथवा अन्य सार्वजनिक संपत्तियों में सरकारी स्तर पर सही रेन वाटर हार्डिंग का काम किया जाना चाहिए। इसके साथ जबल भंडार को रिचार्ज करने का मौका पिलाया जाएगा। वह मानते हैं कि इस तालाबों को गहरा बनाकर उसमें खुला मैदान अथवा अन्य सार्वजनिक संपत्तियों में सरकारी काम भी होना चाहिए। इसके अलावा आबादी बढ़ने की वजह से अब जब तक कोई नया डैम नहीं बन जाता, सरकार को पतरात् अथवा लतरात् डैम से अतिरिक्त पानी लाने पर भी कोई कठबूत नहीं होता। उनके मुताबिक शहर को जलाधारित करने वाले तीनों डैम अब काफी पुराने और आबादी के अनुपात में कम हो चुके हैं। इसलिए शहर की जलाधारित व्यवस्था को अतिरिक्त इंतजाम की जरूरत है। इस बीच सरकारी अधिकारियों द्वारा अपनी हैसियत के दुरुपयोग

का मामला भी चर्चा में आ जाता है। इसी साल रांची नगर निगम की एक अधिकारी पर रात रोड पर अपने आवास के टीक बाहर 12 फैट चौड़ी पीसीसी सड़क पर बोरबेल खोदने का आरोप लगा। बोरबेल खोदे जाने की वजह से सड़क का वह जिस्सा अवरुद्ध हो गया। आयपुरी झलाकों के निवासियों के एक वर्ग ने औपचारिक रूप से अराएमसी के नगर आयुक्त शशि रंजन को एक पत्र सौंपकर एक नागरिक अधिकारी की ऐसी मनमानी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। आंकड़े बताते हैं कि अराएमसी ने 13 उच्च-उपज

वाले डिल्ड ट्यूबवेल स्थापित किए। इनमें से दस क्षतिग्रस्त हो गये हैं और पानी भी सूख गया है। बड़ी आबादी के केवल तीन एचवाइडीटी और आरएमसी द्वारा अपूर्ति किए गए टैंकरों पर निर्भर है। इस बीच, आरएमसी के पास पानी की आयुर्ति के लिए केवल 40 टैंकर उपलब्ध हैं। टैंकरों की क्षमता 2,000 से 10,000 लीटर तक है। शहर में 2,507 हैंडपंप हैं, जिनमें से करीब 190 सूखे हैं। इसके अलावा, 1,374 माइक्रो ल्यू ऊर्जे और 174 बड़े एचवाइडीटी और 69,078 कनेक्शन हैं। यानी के दिनों में कमी रहती रहती है। निगम ने सभी रोडों पर वर्षा जल संचयन प्रणालियों से लैस करने के लिए कहा है। निवासियों की जल संरक्षण के प्रति उपेक्षा पानी की कमी में योगदान करती है। 2.25 लाख से अधिक हैं शहर में घर हैं लेकिन उनमें से केवल लगभग 20,000 में ही वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ हैं।

(समाप्त)

e-mail (bangla) : rashtriyokhobor@gmail.com

<http://rashtriyakhabar.com/epaper>

e-mail : rastriyakhabarhn@gmail.com

web : www.rashtriyakhabar.com

Rashtriya khabar

Rashtriyakhabar LIVE jatiyokhobor.co.in

Visit us @Ph.
0651-2244505
0651-2244605